नावड्या रे नाव म्हारी रे संभाल

नावड्या रे नाव म्हारी रे संभाल
नई तो भवसागर म डूबी जायग

भवसागर में डोल रही नैया
तुम बिना म्हारो कोण छे खिवैया
नावड्या रे नही मिलतो किनार
नई तो भवसागर म डूबी जायग

भवसागर की कठिन या धारा
लहर सताय रही बारमबारा
नावड्या रे वेग बढ़तो अपार
नई तो भवसागर म डूबी जायग

नाव पुराणी नदी गहराणी
घड़ी-घड़ी पल-पल बढ़ी रहयो पाणी
नावड्या रे मख पार रे उतार
नई तो भवसागर म डूबी जायग

दास की नैया शरण तुम्हारा
आई न लगई देवो आज किनारा
नावड्या रे नाव चरण आधार
नई तो भवसागर म डूबी जायग

प्रेषक प्रमोद पटेल
यूट्यूब पर
1.निमाड़ी भजन संग्रह
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा
9399299349
9981947823

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21607/title/navdya-re-nav-mahari-re-sambhal

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |